

## सिद्धि तप

सिद्धि प्राप्ति के लिए यह तप किया जाता है इस तप में एक उपवास पारणा, दो उपवास पारणा इस तरह चढ़ते चढ़ते आठ उपवास पर पारणा करना है। पारणे के दिन बियासना करना है। इस प्रकार यह तप ४४ दिन में पूर्ण होता है।

1. **8 प्रदक्षिणा (फेरी) एवं 8 खमासमण** लगायें।

(अ) फेरी लगाते हुए निम्न दोहा बोलें –

**रूपा तीत स्वभाव जे, केवल दंसण नाणी रे।**

**ते ध्याता निज आतमा, होय सिद्ध गुण खाणी रे।।**

(ब) एक-एक फेरी लगाने के बाद निम्नलिखित पदों का क्रमशः उच्चारण करते जायें।

1	श्री अनंत ज्ञान गुण संयुताय सिद्धाय नमः
2	श्री अव्याबाध सुख गुण संयुताय सिद्धाय नमः
3	श्री अनंत दर्शन गुण संयुताय सिद्धाय नमः
4	श्री अनंत चारित्र गुण संयुताय सिद्धाय नमः
5	श्री अक्षय स्थिति गुण संयुताय सिद्धाय नमः
6	श्री अरुपी निरंजन गुण संयुताय सिद्धाय नमः
7	श्री अगुरुलघु गुण संयुताय सिद्धाय नमः
8	श्री अनंतवीर्य गुण संयुताय सिद्धाय नमः

(स) प्रत्येक पद का उच्चारण करने के पश्चात् खमासमण देवें।

## सिद्धि तप

सिद्धि प्राप्ति के लिए यह तप किया जाता है इस तप में एक उपवास पारणा, दो उपवास पारणा इस तरह चढ़ते चढ़ते आठ उपवास पर पारणा करना है। पारणे के दिन बियासना करना है। इस प्रकार यह तप ४४ दिन में पूर्ण होता है।

1. **8 प्रदक्षिणा (फेरी) एवं 8 खमासमण** लगायें।

(अ) फेरी लगाते हुए निम्न दोहा बोलें –

**रूपा तीत स्वभाव जे, केवल दंसण नाणी रे।**

**ते ध्याता निज आतमा, होय सिद्ध गुण खाणी रे।।**

(ब) एक-एक फेरी लगाने के बाद निम्नलिखित पदों का क्रमशः उच्चारण करते जायें।

1	श्री अनंत ज्ञान गुण संयुताय सिद्धाय नमः
2	श्री अव्याबाध सुख गुण संयुताय सिद्धाय नमः
3	श्री अनंत दर्शन गुण संयुताय सिद्धाय नमः
4	श्री अनंत चारित्र गुण संयुताय सिद्धाय नमः
5	श्री अक्षय स्थिति गुण संयुताय सिद्धाय नमः
6	श्री अरुपी निरंजन गुण संयुताय सिद्धाय नमः
7	श्री अगुरुलघु गुण संयुताय सिद्धाय नमः
8	श्री अनंतवीर्य गुण संयुताय सिद्धाय नमः

(स) प्रत्येक पद का उच्चारण करने के पश्चात् खमासमण देवें।

2. **8 साथिया** करके ऊपर 1 नग फल (केला, सेव, नाशपत्ती, श्रीफल, बादाम आदि) तथा 8 नग नैवेद्य (चक्की, मखाने, चीरोंजी, साकर आदि) यथाशक्ति चढ़ायें।

3. 8 लोगस्स का **कायोत्सर्ग** करें।

4. **20 माला** फेरें (उपवास के पहले 5 माला अवश्य फेरें)।

1	श्री अनंत ज्ञान गुण संयुताय सिद्धाय नमः
2	श्री अव्याबाध सुख गुण संयुताय सिद्धाय नमः
3	श्री अनंत दर्शन गुण संयुताय सिद्धाय नमः
4	श्री अनंत चारित्र गुण संयुताय सिद्धाय नमः
5	श्री अक्षय स्थिति गुण संयुताय सिद्धाय नमः
6	श्री अरुपी निरंजन गुण संयुताय सिद्धाय नमः
7	श्री अगुरुलघु गुण संयुताय सिद्धाय नमः
8	श्री अनंतवीर्य गुण संयुताय सिद्धाय नमः

5. **चैत्यवंदन तथा देववंदन** करें।

6. यथासमय पच्चक्खाण लें।

7. जल लेने के पूर्व **पच्चक्खाण पारने की क्रिया** करें – इरियावहियं क्रिया, जयउसामिअ का चैत्यवंदन, मुंहपत्ती पडिलेहण आदि।

2. **8 साथिया** करके ऊपर 1 नग फल (केला, सेव, नाशपत्ती, श्रीफल, बादाम आदि) तथा 8 नग नैवेद्य (चक्की, मखाने, चीरोंजी, साकर आदि) यथाशक्ति चढ़ायें।

3. 8 लोगस्स का **कायोत्सर्ग** करें।

4. **20 माला** फेरें (उपवास के पहले 5 माला अवश्य फेरें)।

1	श्री अनंत ज्ञान गुण संयुताय सिद्धाय नमः
2	श्री अव्याबाध सुख गुण संयुताय सिद्धाय नमः
3	श्री अनंत दर्शन गुण संयुताय सिद्धाय नमः
4	श्री अनंत चारित्र गुण संयुताय सिद्धाय नमः
5	श्री अक्षय स्थिति गुण संयुताय सिद्धाय नमः
6	श्री अरुपी निरंजन गुण संयुताय सिद्धाय नमः
7	श्री अगुरुलघु गुण संयुताय सिद्धाय नमः
8	श्री अनंतवीर्य गुण संयुताय सिद्धाय नमः

5. **चैत्यवंदन तथा देववंदन** करें।

6. यथासमय पच्चक्खाण लें।

7. जल लेने के पूर्व **पच्चक्खाण पारने की क्रिया** करें – इरियावहियं क्रिया, जयउसामिअ का चैत्यवंदन, मुंहपत्ती पडिलेहण आदि।